

प्रभा: MBH. 3,2227. तेजोमया: 3,2454. M. 6,39. कामगमा: MBH. 3,12034. काँल्लोकास्त्वं गमिष्यसि R. 2,74,9. त्रयः AV. 10,6,31. 12,3,20. AIT. BR. 1,5. ÇAT. BR. 13,1,3. 14,4,3,24. M. 2,230. 232. 11,261. 12,97. MBH. 1,5910. 7642. 3,10660. 13,312. R. 1,6,2. 2,96,45. 6,102,23. Spr. 1312. VARĀH. BRH. S. 6,6. 26,4. ० त्रयी Spr. 1079. उभौ लोकाः *Erde und Himmel* TBR. 3,1,2,5. MBH. 12,366. MĀRK. P. 22,36. P. 1,3,54. Schol. ० द्वय KĀM. NĪTIS. 7,55. 10,24. RĀGA-TAR. 3,184. सप्त इमे लोकाः MUND. UP. 2,1,8. MBH. 3,175. 13,5288. 5292. RAGH. 10,22. Verz. d. Oxf. H. 49,6,11. 37, a, 3 v. u. (daher Bez. der Zahl sieben Ind. St. 8,386. 393). अयम् AV. 5,30,17. 8,8,8. 12,3,38. 19,54,5. VS. 19,46. ÇAT. BR. 13,5,1,2. 2,11,2. M. 10,128. लोके ऽस्मिन् 7,3,8,343. 9,24. 12,53. MBH. 3,2637. 2904. 2932. R. 1,1,2. 92. Spr. 3188. इमं लोकम्, मध्यमम्, ब्रह्मलोकम् M. 2,233. इहैवास्ते तु सा लोके 3,141. 10,158. 12,102. लोके so v. a. इह लोके *hier auf Erden* 1,11. 84. 4,157. 3,50. MBH. 1,6122. 3,2776. 2980. Spr. 1339. 3626. 4374. 4739. 5346 (Gegens. परत्र). DHĪRTAS. 96,7. लोके कृत्स्ने *auf der ganzen Erde* MBH. 3,2119. ततो दुर्गं च राष्ट्रं च लोकं च सचराचरम् । अत्ररिक्तगतांश्चैव मुनीन्देवांश्च पीडयेत् ॥ *die ganze Erde* M. 7,29. लोकं प्रज्जाति *er verlässt die Erde* VARĀH. BRH. S. 69,36. इमे लोकाः AIT. BR. 3,15. अतो जने *AV. 12,5,38. 57. VS. 17,2. TS. 1,5,9,4. AIT. BR. 5,28. 8,2. ÇAT. BR. 1,2,5,17. 14,9,1,2. M. 10,128. पर AV. 6,117,3. ÇAT. BR. 14,6,3,2. M. 11,26. AK. 3,4,32 (28), 16. उत्तरे हिमवत्पार्श्वे पुण्ये सर्वगुणान्विते । पुण्यः क्षेम्यश्च काम्यश्च स परो लोक उच्यते ॥* MBH. 12,7010. परलोकान् WEBER, RĀMAT. UP. 342. तृतीय AV. 6,117,3. तृतीये वा इतो लोके पितरः TBR. 1,3,10,5. परम AV. 19,54,5. AIT. BR. 1,21. 2,24. शुचि AV. 4,34,2. ज्योतिष्मन् 9,5,6. पुण्य 16. 19,54,5. VS. 20,25. पितृपान AV. 5,18,13. 6,117,3. देवपान ebend. नारक 12,4,36. स्वर्गे लोके KATHOP. 1,12. ÇAT. BR. 14,7,2,11. M. 3,140. 8,103. सोमसूर्यस्तुचरित WEBER, GĪOR. 110. जीवानाम् AV. 2,9,1. अमृतस्य 8,1,1. सुकृतम् und सुकृतस्य s. u. d. Ww. यमस्य AV. 6,118,2. पितृपाम् 3,29,4. 12,2,9. 45. भद्रस्य 6,26,1. कूरकृतम् TBR. 1,4,6,5. पुण्यकृतम् (so ist zu lesen) MBH. 3,12025. अप्सरसाम्, वैश्वदेवस्य, अपाम् M. 4,183. ब्रह्मघ्नः, स्त्रीबालघातिनः, मित्रदुहः, कृतघ्नस्य 8,89. सप्तानां मरुतां लोकान्वसूनां च MBH. 13,5315. गच्छ लोकान्महेन्द्रस्य R. 4,21,27. राजर्षिः 1,37,5. पितृः KHĀND. UP. 8,2,1. मातृः 2. धातृः 3. स्वसृः 4. सखिः 5. गन्धमात्यः 6. अन्नपानः 7. गीतवादित्रः 8. स्त्रीः 9. भर्तृः M. 3,165. 9,29. उर्वशीः (so die ed. Bomb.) BUĀG. P. 9,14,44. 47. निर्यः R. GORR. 2,13,23. — 3) pl. und sg. *die Leute, die Menschen, das Volk* (auch im Gegens. zum Fürsten) AK. H. 301. H. an. MED. HALĀJ. 2,129. लोकानां कृतिकाम्यया M. 12,117. लोकेषु यशः प्राप MBH. 3,2081. लोकेषु प्रतिमो भुवि 2086. 13,6804. 13,900. HĀRIY. 4003. R. 1,2,39. R. GORR. 2,108,29. Spr. 311. 360. 1276. 1936. 2071. 2621. 4382. KATHĀS. 12,177. fg. RĀGA-TAR. 1,352. BUĀG. P. 3,14,11. Verz. d. Oxf. H. 136, a, 23. 25. PAÑKĀT. 246,2. VET. in LA. (III) 1,3. सर्वे MBH. 13,871. R. 3,54,7. Spr. 3127. 4382. PAÑKĀT. 236,25. सर्वलोकेषु R. 1,59,20. बह्वः Spr. 4383. सर्वे पुरनिवासिनां राजसनिधिलोकाश्च PAÑKĀT. 26,20. लोकाः स्त्रीषु रताः so v. a. *die Männer* VET. in LA. (III) 30,9. गृहलोकाः HIT. 88,18. sg. ÇAT. BR. 14,3,3,1. NIR. 7,4. प्रिया भवति लोकस्य M. 8,42. 353. 9,324. 11,84. R. 1,1,87. 3,1. 9. SĀMĀHĀJAK. 38. ÇĀK. 77. 192. ad 23,7. Spr. 1443.

2316, v. l. 2331. 2602. 2684. 3734. 4938. RAGH. 6,30. KATHĀS. 10,113. 21,116. 29,179. 34,143. RĀGA-TAR. 3,263. DAÇAK. 66,3. BUĀG. P. 5,24,3. PAÑKĀT. 48,25. सर्वस्य लोकस्य RAGH. 4,8. Spr. 3207. ÇĀMĀK. zu BRH. ĀR. UP. S. 43. fg. सर्वलोकः *Jedermann* MBH. 1,8051. Spr. 3380. VARĀH. BRH. S. 4,8. PAÑKĀT. 228,2. नगरलोकः KATHĀS. 18,122. तीक्ष्णलोकः TIKSHṆA'S *Leute* RĀGA-TAR. 8,1743. लोकतो ऽपि हि ते रह्यः परिवादः R. 2,36,30. पृष्टाच्च लोकतो बुद्ध्वा KATHĀS. 43,139. सकललोकानन्दन VARĀH. BRH. S. 8,47. लोककृतोः ÇĀK. 104. कृपणलोकमत Spr. 1012. 2680. लोकवदध्राम्यत् ÇĀMĀK. zu BRH. ĀR. UP. S. 53. — 4) *Gemeinschaft, Gesellschaft*: सतां लोकात् — अश्वतु R. 2,75,34. नरः so v. a. *die Menschen* R. GORR. 2,1,42. RAGH. 6,1. रानसः R. 3,41,3. रासः RAGH. 3,64. नरदेवः 6,8. तितिपालः 7,3. नरवीरः Spr. 2476. पौरः KATHĀS. 4,35. 12,135. नागः 22,203. वणिगलोकः 29,107. ज्ञातिलोकतम् VARĀH. BRH. S. 32,8. PAÑKĀT. ed. orn. 33,13. VET. in LA. (III) 9,18. कुटुम्बः 21,18. नृत्तिर्यक्सुरलोकभाषा H. 39. Im Bengalischen ist लोक geradezu zum Pluralsuffix geworden. — 5) *das gemeine Leben*, oft im Gegens. zur *Wissenschaft*, insbes. *der heiligen*, zum Veda. NIR. 1,2. लोकतम् so v. a. *wie üblich* ÇĀMĀK. GRH. 4,19. M. 7,43. VARĀH. BRH. S. 86,10. BRH. 2,3. लोके SARVADARÇANAS. 92,14. ० मतनिवर्तुणा Verz. d. Oxf. H. 251, a, 3. लोके वेदे च प्रथितः BUĀG. 13,18. विरुद्धो लोकवेदयोः MBH. 1,7258. लोकवेदविरुद्ध 7245. 6246. लोकवेदविरोधक 7257. ० विरोधात् NILAK. 164. एष धर्मः स्त्रिया नित्यो वेदे लोके श्रुतः स्मृतः Spr. 3004. लोकपूत neben वेदपूत NĀS. TĀP. UP. in Ind. St. 9,116. लोके वेदे च कुशलः so v. a. *in weltlichen Angelegenheiten* KĀM. NĪTIS. 6,1. लोकवेदपद्यान्व BUĀG. P. 3,3,19. लोकशास्त्राभ्याम् 7,13,45. शास्त्रेषु लोकेषु च यत्प्रसिद्धम् Verz. d. Oxf. H. 193, a, 6. ० विद्याविरुद्ध 207, a, 16. लोके im Gegens. zu काव्यनाययोः H. 326. लोके im gemeinen Leben so v. a. *in der Sprache des Volkes*, im Gegens. zu वेदे, कन्दसि Schol. zu P. 3,1,42. 4,1,30. 3,22. 6,1,181. 3,1,118. VĀRTI. — Vgl. अ (अलोकान् neben लोकान् BUĀG. P. 3,5,8 erklärt der Comm. durch लोकालोकपर्वताद्दुर्भागान्; vgl. auch 5,20,36), अङ्गः, अत्ररिक्तः, अमरः, अहर्लोकः, इन्द्रः, उरुः, चतुर्लोकः, जनः, जीवः, तपोः, तलः, त्रिः, देवः, दैर्लोकः, नरः, नृः, पतिः, परः, पापः, पितृः, पुण्यः, पृथिविः, पृथिवीः, प्रेतः, ब्रह्मः, ब्रह्मः, भूः, भूमिः, भूर्लोकः, मध्यः, मध्यमः, मनुजः, मनुष्यः, मरुलोकः, मर्त्यः, मृत्युः, यथालोकम्, यमः, विः, सः, समानः, स्वर्लोकः, स्वर्गः.

लोककाण्टक m. *ein Dorn für die Menschen, ein schädlicher Mensch* M. 9,260. MBH. 3,8777. R. 1,14,31.

लोककर्तार m. *Schöpfer der Welt*: Brahman R. 1,2,26 (25 GORR.). 14,12. Verz. d. Oxf. H. 47, a, No. 103, Z. 3. Viṣṇu MBH. 3,13556. 13558. ÇĪVA 13,1193.

लोककल्प 1) adj. a) *weltähnlich, in der Gestalt der Welt auftretend* BUĀG. P. 12,4,19. — b) *von den Menschen angesehen — gehalten für* BUĀG. P. 10,63,36. — 2) m. *Weltperiode* BUĀG. P. 3,11,23.

लोककात् 1) adj. *von Jedermann gern gesehen, Jedermann gefallend* MBH. 3,2666. R. 3,49,7. — 2) f. *ein best. Heilkrant, = ऋद्धि RĀGĀN* im ÇKDR.

लोककार m. = लोककर्तार ÇĪV.

लोककृत् 1) adj. *Raum schaffend, Luft machend, befreiend*: अयं सि-